S.Y.J.C. Hindi – 3 MARCH-2021.

H.S.C. Preparatory Exam - 2020-21 Marks- 80

Std.12th **Sub. Hindi** Time - 3 Hrs.

सूचनाएँ :-

1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए ।
3) आकृतियों मे उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है ।
4) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

प्र. 1) अ) गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए **(06)**

गद्यांश :- बच्चा रोता हुआ आगरे के बाजारों से निकला और जंगल में जाकर अपनी कुटिया में रोने - तडपने लगा । वह बार- बार पुकारता था - '' बाबा ! तू कहाँ है ? अब कौन मुझे प्यार करेगा ? कौन मुझे कहानियाँ सुनाएगा ? लोग आगरे की तारीफ करते हैं, मगर इसने मुझे तो बरबाद कर दिया । इसने मेरा बाबा छीन लिया और मुझे अनाथ बनाकर छोड दिया । बाबा ! तू कहा करता था कि संसार में चप्पे -चप्पे पर दलदले है और चच्चे -चप्पे पर कॉटो की झाडियाँ है । अब कौन मुझे इन झाडियों से बचाएगा ? कौन मुझे इन दलदलों से निकालेगा ? कौन मुझे सीधा रास्ता बताएगा ? कौन मुझे मेरी मंझिल का पता देगा ?

इन्ही विचारों में डूबा हुआ बच्चा देर तक रोता रहा । इतने में खडाऊँ पहने हुए, हाथ में माला लिए हुए, रामनाम का जप करते हुए बाबा हरिदास कुटिया के अंदर आए और बोले '' बेटा ! शांति करो ! शांति करो ।

बैजू उठा और हरिदास जी के चरणों से लिपट गया । बिलख - बिलखकर रोता था और कहता था - '' महाराज ! मेरे साथ अन्याय हुआ है । मुझपर वज्र गिरा है । मेरा संसार उजड गया है । मै क्या करुँ ? हरिदास बोले - '' शांति -शांति '' ! बैजू - '' महाराज ! तानसेन ने मुझे तबाह कर दिया । उसने मेरा संसार सूना कर दिया । हरिदास - '' शांति, शांति'' ।

बैजू ने हरिदास के चरणों से और भी लिपटकर कहा- '' महाराज ! शांति जा चुकी ।अब मुझे बदले की भूख है। अब मुझे प्रतिकार की प्यास है। मेरी प्यास बुझाइए।''.

1) **कृति पूर्ण कीजिए** **02**

बच्चे द्वारा आगरे के संबंध में कही गयी बातें

2) **निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य लिखिए-** **01**

1) बच्चा रोता हुआ आगरे के बाजारों से निकला- ☐
2) बच्चा तानसेन के चरणों से लिपट गया - ☐

3) एक दो शब्दों में उत्तर लिखिए । **01**

1) लोग किसकी तारीफ करते हैं ? .....

2) किसने बच्चे का संसार सूना कर दिया ? .....

4) 'पुत्र के जीवन में पिता का स्थान ' इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए। 02

आ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। **(06)**

गद्यांश :- सुनो सुगंधा ! तुम्हारा पत्र पाकर खुशी हुई । तुमने दोतरफा अधिकारी की बात उठाई है, वह पसंद आई । वेशक जहाँ जिस बात से तुम्हारी असहमति हो, वहाँ तुम्हें अपनी बात मुझे समझाने का पूरा अधिकार है । मुझे खुशी ही होगी तुम्हारे इस अधिकारी प्रयोग पर । इससे राह खुलेगी और खुलती ही जाएगी । जहाँ कहीं कुछ रुकती दिखाई देगी, वहाँ भी परस्पर आदान- प्रदान से राह निकाल ली जाएगी । अपनी -अपनी बात कहने - सुनने में बंधन या संकोच कैसा ?

मैने तो अधिकार की बात यों पूछी थी कि मैं उस बेटी की माँ हूँ, जो जीवन मे उठने के लिए बडे उँचे सपने देखा करती है, आकाश में अपने छोटे - छोटे डैनों को चौड़े फैलाकर !

धरती से बहुत उँचाई में फैले इन डैनों को यथार्थ से दूर समझकर भी मैं काटना नहीं चाहती । केवल उनकी डोर मजबूत करना चाहती हूँ कि अपनी किसी उँची उडान में वे लड़खड़ा न जाएँ । इसलिए कहना चाहती हूँ कि ' उडो बेटी, उडो, पर धरती पर निगाह रखकर । ' कहीं ऐसा न हो कि धरती से जुडी डोर कट जाए और किसी अनजाने -अवांछित स्थल पर गिरकर डैने क्षत -विक्षत हो जाएँ । ऐसा नहीं होगा क्योंकि तुम एक समझदार लड़की हो । फिर भी सावधानी तो अपेक्षित है ही ।

यह सावधानी का ही संकेत है कि निगाह धरती पर रखकर उड़ान भरी जाए । उस धरती पर जो तुम्हारा आधार है उसमें तुम्हारे परिवेश का, तुम्हारे संस्कार का, तुम्हारी सांस्कृतिक परंपरा का, तुम्हारी सामर्थ्य का भी आधार जुड़ा होना चाहिए । हमें पुरानी -जर्जर रुढीयों को तोडना है, अच्छी परंपराओं को नहीं ।

परंपरा और रुढि का अर्थ समझती हो न तुम ? नहीं ! तो इस अंतर को समझने के लिए अपने सांस्कृतिक आधार से संबंधित साहित्य अपने कॉलेज पुस्तकालय से खोजकर लाना, उसे जरुर पढ़ना ! यह आधार एक भारतीय लडकी के नाते तुम्हारे व्यक्तित्व का अटूट हिस्सा हैं, इसलिए ।

1) **संजाल पूर्ण कीजिए -** 02

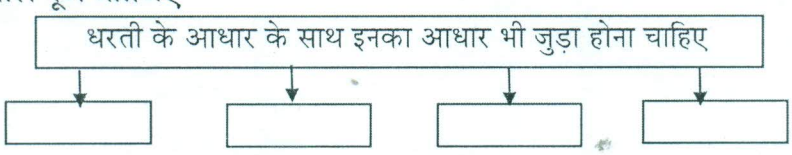

2) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। **01**

1) पत्र - ..... 2) आकाश - .....

3) गद्यांश के आधारपर शब्द -युग्म पूर्ण कीजिए । **01**

1) आदान - ..... 2) कहने - .....

4) पत्र -लेखन की उयोगिता के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। 02

इ) **निम्नलिखित के उत्तर लगभग 80 से 100 शब्दों में लिखिए। (3 में से- 2)** **(06)**

1) 'आदर्श बदला ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए -

2) 'पाप के चार हथियार ' निबंध का (पाठ का) उद्देश्य लिखिए -

3) ओजोन विघटन संकट से बचने के लिए किए गए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को संक्षेप में लिखिए।

ई) **एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (4 में से 2)** (02)

1) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर जी के निबंध संग्रहों के नाम लिखिए ।

2) आशारानी व्होरा जी की रचनाएँ लिखिए-

3) सूदर्शन जी का मूल नाम -

4) डॉ. कृष्ण कुमार मिश्र मुंबई के किस शिक्षा केंद्र में वैज्ञानिक थे ।

प्र.2) अ) **निम्नलिखित पद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए ।** **(06)**

पद्यांश :- तेरी गति मिति तू ही जाणै क्या हो आखि वखाणे
तू आपे गुपता, आपे प्रगटु, आपे सब रंग भाणे
साधक सिध्द , गुरु वहु चेले खोजत फिरहि फरमाणे
समहि बधु पाई इह भिक्षा तेरे दर्शन कड कुरवाणे
उसी की प्रभु खेल रचाया, गुरमुख सोभी होई ।
नानक सब जुग आपे वरते, दूजा और न कोई ।।

गगन में काल रविचंद्र दीपक बने
तारका मंडल जनक मोती
धूप मलयानिल, पवनु चँवरो करे,
सकल वनराइ कुलंत जोति ।
कैसी आरती होई भव खंडना, तोरि आरती ।
अनाहत शबद बाजत भेरी ।।

1) **कृति पूर्ण कीजिए -** 02
आरती में समाया प्रकृति रुप - 1) ..... 2) ..... 3) ..... 4) .....

2) **निम्नलिखित विधान सहीं है या गलत पहचानकर गलत विधानों को सहीं करके लिखिए-** **02**

1) ईश्वर की गति को भक्त जानते है ।

2) ईश्वर के रंग अनेक है

3) हर युग में ईश्वर के अलावा और कोई नहीं है ।

4) प्रकृति भक्तों की आरती उतार रही है ।

3) **'ईश्वर भक्ति में नामस्मरण का महत्व होता है 'इस विषय पर अपना मंतव्य (अपने विचार) स्पष्ट किजिए -** **02**

आ) **पद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए -** **(06)**

पद्यांश - अंकुरित होने से टूँठ हो जाने तक
आँधी तूफान हो या कोई प्रतापी राजा- महाराजा
पेड़ किसी के पाँच नहीं पडता है,
जब तक है उसमें साँस
एक जगह पर खडे रहकर
हालात से लड़ता है ।
जहाँ भी खड़ा हो
सड़क , झील या कोई पहाड़
भेड़िया , बाघ, शेर की दहाड़

पेड किसी से नहीं डरता है ।
हत्या या आत्महत्या नहीं करता है पेड़ ।
थके राहगीर को देकर छाँव व ठंडी हवा
राह में गिरा देता है फूल
और करता है इशारा उसे आगे बढ़ने का ।
पेड करता है सभी का स्वागत ,
देता है सभी को बिदाई ।
गाँव के रास्ते का वह पेड़
आज भी मुस्कुरा रहा है ।

1) **आकृति पूर्ण कीजिए -** **01**

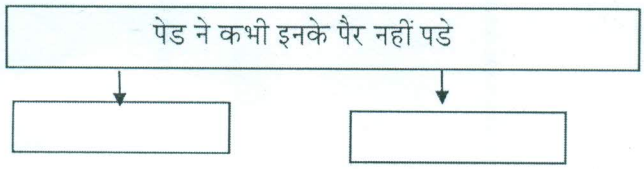

2) **लिखिए-**

पेड का बुलंद हौसला सूचित करने वाली दो पंक्तियाँ - **01**

1) ..... 2) .....

3) **ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हो ।** **01**

1) हालात - 2) राहगीर -

4) **निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोडकर लिखिए -** **01**

1) राजा- 2) हत्या -

5) **'पेड मनुष्य का परम् हितैषी ' इस विषय पर अपने विचार लिखिए ।** **02**

इ) **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'नवनिर्माण' कविता का रसास्वादन कीजिए -** **(06)**

1) रचनाकार का नाम - **01**

2) पसंद की पंक्तियाँ - **01**

3) पसंद के कारण- **02**

4) कविता की केंद्रीय कल्पना **02**

अथवा

जीवन के अनुभव और वास्तविकता से परिचित कराने वाले वृंद जी के दोहों का रसास्वादन कीजिए

ई) **एक वाक्य में उत्तर लिखिए - (4 में से 2)** **(02)**

1) गुरुनानक जी की भाषाशैली की विशेषताएँ .....

2) चतुष्पदी के लक्षण .....

3) दोहा छंद की विशेषता - .....

4) कैलास सेंगर जी की रचनाओं के नाम .....

प्र.3) अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **(06)**

नीचे की घाटी से ऊपर के शिखरों पर जिसको जाना था वह चला गया - हाथ मुझी पर पग रख मेरी बाहों से इतिहास तुम्हें ले गया । सुनो कनु सुनो क्या मैं एक सेतु थी तुम्हारी लिए	लीलाभूमि और युध्द क्षेत्र में अलंघ्य अंतराल में । अब इन सूने शिखरों, मृत्यू घाटियों में बने सोने के पतले गुँथे तारोंवाले, पुल- सा निर्जन, निरर्थक काँपता-सा, यहाँ छूट गया- मेरा यह सेतु जिस्म -जिनका जाना था वह चला गया ।

1) कृति पूर्ण कीजिए - **02**

पद्यांश के अनुसार सेतु जिस्म की स्थिति -

1) ..... 2) ..... 3) ..... 4) .....

2) लिखिए-

1) पद्यांश में उल्लेखित शरीर के दो अंग - 1) ..... 2) **01**

3) एक शब्द में उत्तर लिखिए- **01**

1) पद्यांश के अनुसार कनु को कौन ले गया । .....

2) कनुप्रिया किसे संबोधित कर रही है ? .....

4) 'व्यक्ति को कर्मप्रधान होना चाहिए ' इस विषय पर अपना स्वमत लिखिए। **02**

आ) किसी एक प्रश्न का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए । (2 में से 1) **(04)**

1) कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबध्द किया हैं, इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।

2) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता बताइए ।

प्र.4) अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग 100 से 120 शब्दों में लिखिए । **(06)**

1) मुंबई शहर की विशेषताओ पर ब्लॉग लेखन कीजिए ।

अथवा

फिचर लेखन में भावप्रधानता होनी चाहिए क्योंकि नीरस फीचर कोई नहीं पढना चाहता । फीचर के विषय से संबंधित तथ्यों का आधार दिया जाना चाहिए । '' स्नेहा आगे बोलती जा रही थी, ''विश्वसनीयता के लिए फिचर में विषय की तार्किकता को देना आवश्यक होता है । तार्किकता के बिना फीचर अविश्वसनीय बन जाता है । फीचर में विषय की नवीनता का होना आवश्यक है । क्यों की उसके अभाव में फीचर अपठनीय बन जाता है । फिचर में किसी व्यक्ति अथवा घटना विशेष का उदाहरण दिया गया हो तो उसकी संक्षिप्त जानकारी भी देनी चाहिए ।

पाठक की मानसिक योग्यता और शैक्षणिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखकर फीचर लेखन किया जाना चाहिए। उसे प्रभावी बनाने हेतु प्रसिध्द व्यक्तियों के कथनों , उदाहरणों लोकोक्तियों और मुहांवरों का प्रयोग फीचर में चार चाँद लगा देता है ।

1) **कृति पूर्ण कीजिए -** **02**

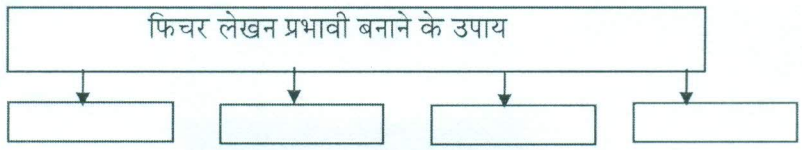

2) उत्तर लिखिए- **02**

1) फिचर लेखन में भावप्रधानता क्यों होनी चाहिए-

2) फिचर लेखन अविश्वसनीय कब बनता है ।

3) लता मंगेशकर पर फीचर लेखन कीजिए । **02**

अ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए। **(04)**

1) लालच का फल बुरा होता है, इस उक्ति का विचार पल्लवन कीजिए ।

2) सूत्र संचालक के कारण कार्यक्रम में चार चाँद लगते है इसे स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

आ) सही विकल्प चुनकर वाक्य फिरसे लिखिए। **04**

1) आज स्नेहा बहुत आनंदित थी, क्यों की -

1) वह मायके आई थी - 2) वह परीक्षा में अव्वल आई थी ।

3) उसे राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ था ।

2) वक्ता और श्रोता को जोडने वाली कडी -

1) हास्य कलाकार 2)मंच संचालक 3) आयोजक

3) पल्लवन का अर्थ है .....

1) निबंध 2) विस्तार 3) संपादन

4) सबसे पहले ब्लॉग शब्द का प्रयोग 1994 में किया .....

1) जस्टीन हॉल ने 2) जॉन बर्गर ने 3) पीटर मेरहोल्स ने

इ) अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए - **(06)**

गद्यांश-

युवा शक्ति किसी भी देश का प्राण और भविष्य होती है । जिस देश की युवा शक्ति भटक जाती है, उस देश को अवनति के गर्त में गिरने से कोई नहीं बचा सकता । दुर्भाग्यवश, आज भारत की अधिकांश युवा शक्ति दिशाहीन है । अपराधियो की सूची मे युवाओं की ताकद अधिक है । लूट मार, डाकेजनी, चोरी, बलात्कार, हत्याकांड आदि में अधिकतर युवा वर्ग लिप्त पाया जाता है । यहाँ का अशिक्षित युवा वर्ग तो दिशाहीन है ही, शिक्षित युवा वर्ग भी दिशाहीन है । वह बी.ए. एम.एम. करके बेरोजगारों की लंबी कतार में जा खडा होता है । उसे समझ में नहीं आता कि वह क्या करें । दूसरी ओर, उच्चस्तरीय जीवन-शैली उसे आकृष्ट करती है । उसे भी मोबाईल, कार, बंगला आदी की इच्छा होती है । ऐसी कर्महीन इच्छाएँ उसे अपराधों की ओर ढकेल देती है । शिक्षा को रोजगार से जोडकर और पाठयक्रम में नैतिक शिक्षा अनिवार्य कर इस दिशा हीनता को काफी हद तक कम किया जा सकता है ।

1) **उत्तर लिखिए ।** **02**

1) किसी भी देश की युवा शक्ति के भटकने पर क्या होता है ?

2) भारत के लिए दुर्भाग्य की बात क्या है ?

2) **निम्नलिखित शब्दों के विलोम रुप लिखिए -** **02**

1) शिक्षित x 2) उन्नति x 3) नैतिक x 4) भाग्य x

3) देश का भविष्य - युवा वर्ग इस विषय पर अपने विचार लिखिए। **02**

ई) **निम्नलिखित में से किन्ही चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए।** **(04)**

1) Expert - 2) Bond 3) Invalid 4) Deducation

5) Record 6) Transaction 7) Advance 8) Announcer

प्र. 5) अ) **निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए-** **02**
(3 में से 2)

1) वहाँ अंधेरा हो गया है । (अपूर्ण वर्तमान काल)

2) मनुष्य जाति की नामसझी का इतिहास क्रूर और लंबा है । (सामान्य भविष्य काल)

3) धरती नही पसीजेगी (सामान्य भूतकाल)

आ) **निम्न पंक्तियों में उदधृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए । (4 में से 2)** **(02)**

1) जियु बिनु देह, नदी बिनु वारी ।
तैसे हि अनाथ, पुरुष बिनु नारी ।।

2) पडी अचानक नदी अपार । घोड़ा उतरे कैसे पार ।।
राणा ने सोचा इस पार । तब तक चेतक था उस पार ।।

3) शशि- मुख पर घूँघट डाले, अंचल में दीप छिपाये ।

4) पापी मनुज भी आज मुख से राम-नाम निकालते ।
देखो भयंकर भेडिये भी आज आंसू ढालते ।।

इ) **निम्नलिखित में उदधृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए (4 में से 2)** **(02)**

1) तू दयालू दीन हौ, तू दानी हौ भिखारी ।
हौ प्रसिध्द पातकी, तू पाप पुंजहारि ।

2) संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पडे ।
करते हुए यह घोषणा वे हो गऐ उठकर खडे ।।

3) कहत, नटत, रीझत, खिजत, मिलत खिलत, लजियात ।
भरे भौन में करत है, नैननु ही सौ बात ।।

4) मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई ।
जाके सिर मोर मुकुट मेरे पति सोई ।।

ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए (4 में से 2) **(02)**

1) उगल देना- 2)कान भरना 3) जहर का घूँट पीना - 4) पाँचो उंगलियाँ घी में होना ।

उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुध्द करके फिर से लिखिए। (4 में से 2) **(02)**

1) तानसेन से मेरे को तबाह कर दिया।
2) कही एसा न हो की धरती से जुडी डोर कट जाए ।
3) एकाएक गाना बंध हो गई ।
4) दिलीप ने लंदन यात्रा से पूर्व घर कि लिखा - पडी समाप्त कर ली ।

_____X_____